# QUARTERLY REPORT OF THE 

 GENERAL CONFERENCE of S. D. A., EUROPEAN DIVISION.
## First Quarter, 1912. <br> 

Issued by
THE EUROPEAN DIVISION OF THE GENERAL CONFERENCE, Grindelberg 15a, Hamburg.

| $\begin{gathered} \text { Name of } \\ \text { Confence or Mission. } \end{gathered}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \end{aligned}$ |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. East German Union. | 1 | 1 |  | 3 | 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2. East German Union District. | 3 | 4 | 11 |  | 18 | 12 | 1296 | 6 | 146 | 2 | 1444 | 75 | 17 |  |  |
| 3. Oder Conference................ | 2 | 5 | 1 |  | 8 | 5 | 266 | 12 | 197 |  | 463 | 20 | 3 |  |  |
| 4. East Prussian Conference... | 4 | 5 | 1 |  | 10 | 12 | 485 | 25 | 484 | 1 | 970 | 33 | 6 |  |  |
| 5. Saxon Conference . | 5 | 3 | 10 |  | 18 | 10 | 626 | 16 | 267 | 13 | 906 | 70 | 4 |  |  |
| 6. Silesian " | 5 | 1 | 7 |  | 13 | 8 | 334 | 16 | 577 | 13 | 724 | 44 | 3 |  |  |
| 7. Warta ${ }^{\text {8 }}$ | 3 |  | 6 |  | 9 | 10 | 193 | 14 | 249 | 13 | 455 | 37 |  |  |  |
| 8. Vistula " | 3 | 2 | 3 |  | 8 | 3 | 93 | 16 | 292 | 11 | 396 | 18 | 4 |  |  |
| 9. Transylvanian Conference ... | 2 | 2 | 1 |  | 5 | 2 | 65 | 25 | 450 | 2 | 517 | 11 | 9 |  | $\bigcirc 390$ |
| 10. Middle Hungarian ." ... | 2 | 3 | 4 |  | 9 | 6 | 222 | 10 | 180 | 4 | 406 | 2 | 9 |  | -390 |
| 11. North "\% Mission... | 1 | 1 | 3 | 1 | 6 |  |  | 2 | 34 |  | 34 |  |  |  |  |
| 12. Theiss-Save Mission........... | $\frac{1}{2}$ | 3 3 | $\frac{1}{5}$ |  | 5 | 1 | 22 | 13 | 123 | 15 | 138 | 12 | 1 |  |  |
| 14. Adriatic ${ }^{\text {a }}$ / | 1 |  | 3 |  | 4 |  |  | 2 | 10 |  | 10 | 3 |  |  |  |
| 15. Bulgarian "\% ........... | 1 |  | 2 |  | 3 |  |  | 4 | 23 | 8 | 31 | 6 |  |  |  |
| 16. Rumanian. " | 3 | 3 | 1 |  | 7 | 5 | 181 | 3 | 75 |  | 256 | 2 |  |  |  |
| 17. East Galician " ........... | 1 |  | 2 |  | 3 |  |  | 2 | 7 |  | 7 |  |  |  |  |
| 18. West " " |  | 1 | 1 |  | 2 |  |  | I | 7 |  | 7 |  |  |  |  |
| Totals. | 40 | 37 | 62 | 4 | 143 | 74 | 3783 | 167 | 2921 | 82 | 6786 | 333 | 56 |  | -390* |
| 19. West German Union. | , | 1 | 2 | 3 | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 20. West German Union Dis..... | $\stackrel{2}{5}$ | 3 | 6 |  | 11 | 6 | 497 | 8 | 176 |  | 673 | 20 | 3 |  |  |
| 21. Westphalian Conference ... | 5 |  | 5 |  | 10 | 6 | 214 | 12 | 174 | 2 | 390 | 17 | 1 |  |  |
| 22. Hessian " | 2 | 1 | 4 |  | 7 | 3 | 303 | 8 | 53 |  | 356 | 29 | ${ }_{5}^{2}$ |  |  |
| 23. Middle German " | 4 | 4 | 6 |  | 14 | 9 | 286 | 24 | 420 | 26 | 732 | 44 | 5 |  |  |
| 24. Lower Rhenish " ... | 2 | 5 | 6 |  | 13 | 8 | 646 | 15 | 280 |  | 926 | 47 | 6 |  |  |
| 25. Upper " " ... | 2 | 4 | 5 |  | 11 | 5 | 297 | 6 | 87 |  | 384 | 26 |  |  |  |
| 26. North German " ${ }_{\text {ch }}$ | 3 | 2 | 5 |  | 10 | 8 | 307 | 12 | 232 | 17 | 556 | 25 | 4 |  |  |
| 27. South " " ... | 4 |  | 7 |  | 11 | 3 | 164 | 19 | 444 | 11 | 619 | 34 | 1 |  | 853 |
| 28. Wurtemburg " | 2 | 1 | 3 |  | 6 | 1 | 103 | 18 | 284 | 6 | 393 | 19 | 2 |  |  |
| 29. Bavarian " | 3 | 2 | 6 |  | 11 | 2 | 89 | 13 | 395 | 26 | 510 | 24 |  |  |  |
| 30. German-Swisf * ... | 3 | 4 | 3 |  | 10 | 3 | 525 | 15 | 273 | 32 | 630 | 27 | 7 |  |  |
| 31. Austrian Mission ............. | 2 | 5 | 6 |  | 13 |  |  | 9 | 141 | 17 | 158 | 24 |  |  |  |
| 32. Moravian-Silesian Mission. | 1 | 1 | 2 |  | 4 |  |  | 9 | 191 |  | 191 | 22 | 2 |  |  |
| 33. Bohemian Mission ........... | 1 |  | 2 | 1 | 4 |  |  | 6 | 124 | 8 | 132 | 10 | 4 |  |  |
| 34. Holland "* ........... | 2 |  | 4 | 2 | 8 | 3 | 96 | 8 | 134 | 5 | 235 | 3 |  |  |  |
| 35. Belgian ** ........... | 1 | 2 | 3 |  | 6 |  |  | 6 | 102 |  | 102 |  | 1 |  |  |
| Totals. | 40 | 35 | 75 | 6 | 156 | 57 | 3827 | 188 | 3510 | 150 | 6987 | 371 | 38 |  | $858+$ |
| 36. Russian Ui ion. | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 37. Russian Union District ...... |  | 1 |  | 1 | 2 <br> 8 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 38. Newa Conference .............. | 1 | 3 | 4 |  | 8 | 11 | 414 |  |  |  | 414 | $6$ | 3 |  |  |
| 39. Baltic '* | 1 |  | 4 |  | 5 | 9 | 311 |  |  |  | 311 | $\stackrel{4}{4}$ |  |  |  |
| 40. North Caucasian Con...... ... | 2 | 1 | 2 | 1 | 6 | 29 | 778 |  |  |  | 778 | 16 | 6. |  |  |
| 41. Azov Conference ............ | 3 | 2 | 1 |  | 6 | 17 | 393 |  |  |  | 393 |  | $3$ |  |  |
| 42. Little Russian Cont rence. | 2 | 2 | 2 | 1 | 7 | 19 | 553 |  |  |  | 553 |  | 5 |  | ¢ 83 |
| 43. Polish Mission ....... | 1 |  | 3 | 1 | 5 | 3 | 97 |  |  |  | 97 |  |  |  |  |
| 44. West Russian Mıssion. | 2 | 1 | 1 | 1 | 5 | 12 | 195 |  |  |  | 195 |  |  |  |  |
| 45. Middle " " ......... | 1 | 2 | 3 | 1 | 7 | 4 | 77 |  |  |  | 77 |  |  |  |  |
| 46. Aretic Mission | 1 |  | 1 |  | $\stackrel{2}{5}$ | 4 | 26 |  |  |  | 26 |  |  |  |  |
| 47. Black Sea "' | 1 |  | 3 | 1 | 5 | 13 | 284 |  |  |  | 284 | 7 | 5 |  |  |
| 48. Trans-Caucasian Mission... | 1 |  | 5 |  | 6 | 10 | 226 |  |  |  | 226 | 10 | 12 |  |  |
| Totals. | 17 | 12 | 29 | 10 | 68 | 134 | 3670 |  |  |  | 3670 | 65 | 35 |  | 33 |
| 49. Scandinavian Union. | 1 |  |  | 1 | 2 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 50. Scandinavian Union Dist... | 1 |  | 4 |  | 5 | 2 | 488 |  |  | 30 | 518 | 6 |  |  |  |
| 51. Danish Conference ........... | 2 | 1 | 10 | 1 | 14 | 18 | 597 | . |  | 3 | 600 | 1 |  |  |  |
| 52. West Norwegian Con......... | 1 | 2 | 3 |  | 6 | 7 | 315 |  |  | 4 | 319 | 2 |  | 1 |  |
| 53. East " " ........ | 3 | 2 | 4 | 1 | 10 | 21 | 714 |  |  |  | 714 | 18 |  | 2 | - 16 |
| 54. Swedish Conforence........... | 4 | 1 | 4 |  | 9 | 25 | 771 |  |  |  | 771 |  | 8 |  | - |
| 55. Finnish " ${ }^{\text {a }}$, | 1 | 2 | 5 | 1 | 9 | 6 | 156 | 5 | 41 | 19 | 216 |  |  |  |  |
| 56. North Swedish Mission..... | 1 |  | 2 |  | 3 | 2 | 33 |  |  | 11 | , 44 |  |  |  |  |
| 57. South " ، ...... | 1 | 1 | 1 |  | 3 | 4 | 94 |  |  | 64 | 158 |  |  |  |  |
| 58. Iceland Mission................ |  | 1 |  |  | 1 | 1 | 44 |  |  |  | 44 |  |  |  |  |
| Totals. | 15 | 10 | 33 | 4 | 62 | 86 | 3212 | 5 | 41 | 131 | 3384 | 27 | 8 |  | 16 |
| 59. British Union. <br> 60. British Union District. | 4 |  | 2 |  | $\stackrel{4}{5}$ |  | 270 | 2 | 27 |  |  |  |  | 1 |  |
| 61. South England Conference. | 3 | 1 | 6 | 3 | 13 | 14 | 508 |  |  |  | 508 | 18 | 1 |  | - 17 |
| 62. North " " | 4 | 4 | 6 |  | 14 | 22 | 705 | 2 | 9 |  | 714 | 12 | 7 |  |  |
| 63. Wales Conference. ........... | 2 | 1 | 1 | 1 | 5 | 7 | 199 | 4 | 58 | 6 | 263 |  |  |  | ) |
| 64. Scotch *6 ........... | 1 | 3 | 2 |  | 6 | 6 | 159 |  |  |  | 159 | 6 |  | 1 | 1 |
| 65. Irish Mission .................... | 2 | 1 | 1 | 3 | 7 | 3 | 52 | 2 | 18 | 48 | 118 | 1 |  |  | -3 |
| Totals | 17 | 12 | 18 | 7 | 54 | 57 | 1893 | 10 | 112 | 54 | 2059 | 38 | 8 | 2 | 2 14 |

[^0]
*Also includes Book Sales of S. Swedish Mission,

| Name of Conference or Mission. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 66. Latin Union. | 1 |  |  | 2 | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 67. Latim Union District ........ | 1 |  | 1 | 2 | 4 | 1 | 50 |  |  |  | 50 |  |  |  | -12 |
| 68. Romanl Swiss Conference... | 3 | 2 | 4 | 1 | 10 | 16 | 604 | 4 | 19 |  | 623 |  |  |  | 23 |
| 69. French Conference ........... | 2 | 4 | $\stackrel{3}{3}$ | 1 | 9 | 8 | 124 | 13 | 65 |  | 189 |  |  |  | -27 |
| 70. North French Mission ........ | ${ }_{1}^{2}$ | 2 | 3 3 3 |  | $\stackrel{5}{7}$ |  | 19 | $\stackrel{3}{5}$ | $\stackrel{23}{53}$ |  | $\stackrel{23}{72}$ |  |  |  |  |
| 72. Portuguese Mission.... | 1 | 1 | 3 |  | 3 |  | 19 | ${ }_{2}^{2}$ | ${ }_{22}$ |  | $\stackrel{72}{22}$ |  |  |  |  |
| 73. Spanish Mission......... | 2 | 3 | 2 |  | 7 |  |  | 2 | 95 |  | 95 | 6 | 1 |  | 4 |
| Totals. | 13 | 12 | 16 | 7 | 48 | 27 | 797 | 29 | 277 |  | 1074 | 6 | 1 |  | -33* |
| 74. Siberian Union Missien |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 75. Volga Mission................. | 2 |  |  |  | 6 | 14 | 272 |  |  |  | 272 | 1 | 1 |  |  |
| 77. East Siberian Mission......... | 1 | 2 | 1 |  | 2 | 12 | $\begin{array}{r}240 \\ 42 \\ \hline\end{array}$ |  |  |  | 240 42 | 2 |  |  | 8 |
| 78. West " ". | 2 | 1 | 2 |  | 5 | 18 | 349 |  |  |  | 42 349 |  | 1 |  | 1 |
| 79. Turkestan " | 1 |  |  |  |  |  | 111 |  |  |  | 111 |  |  |  | -5 |
| Totals. | 7 | 3 | 9 |  | 19 | 54 | 1014 |  |  |  | 1014 | 3 | 2 |  | 7 |
| 80. Levant Union Mission. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 81. Armenian Mission............. | 1 |  | 1 |  | ${ }_{2}^{3}$ |  |  | 1 8 |  |  |  |  |  |  | -1 |
| 88. Grecian " | 1 | 1 |  | 1 | ${ }_{3}^{2}$ |  |  | 1 | ${ }_{3}^{67}$ | 6 | $\stackrel{85}{9}$ |  |  |  | !-1 |
| 84. Central Turkish Mission... | 2 | 3 |  | 3 | 8 | 3 | 100 | 8 | 86 | 3 | 189 | 1 | 2 |  |  |
| Totals. | 5 | 5 | 2 | 4 | 16 | 4 | 112 | 18 | 164 | 21 | 297 | 1 | 2 |  | -2 |
| 85. General Con. Missions. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 86. Persian Mission....... |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 87. Syrian-Arabian Mission...... |  |  | 1 | 2 | 4 | 2 | 27 |  |  | 2 | 29 | 1 |  |  | 1 |
| 88. North Arrican '] ...... | 1 | 1 | 1 | 1 | 5 |  |  | $\frac{1}{3}$ | 21 |  | 21 |  |  |  | 21 |
| 89. Egyptian Mission.............. | 1 | 1 | 1 |  | ${ }_{4}$ |  |  |  |  |  | 17 |  |  |  |  |
| 91. British E. African Mission. | 1 | 1 | 1 |  | ${ }_{5}^{4}$ | 1 | 24 |  |  |  | 24 |  |  |  |  |
| 98. German Pare Mission.... | 2 | 3 | 2 |  | 7 | 1 | 89 |  |  |  | 89 | 11 |  |  | 9 |
| 93. Germ. Victoria Nyanza Mis. | 1 | 2 | 9 |  | 12 | 1 | 18 |  |  |  | 18 |  |  |  |  |
| Totals. | 9 | 10 | 19 | 4 | 42 | 6 | 164 | 5 | 40 | 2 | 206 | 12 |  |  | 31 |

*The Latin Union lost Algeria and the Canton of Tessim at the beginning of the year; hence this apparent loss.

## RECAPITULATION.

| 94. East German Union | 40 | 37 | 62 |  | 143 | 74 | 3788 | 167 | 2921 | 82 | 6786 | 333 | 56 |  | -390 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 95. West " | 40 | 35 | 75 | 6 | 156 | 57 | 3327 | 188 | 3510 | 150 | 6987 | 371 | 38 |  | 853 |
| 96. Russian Union. | 17 | 12 | 29 | 10 | 68 | 134 | 3670 |  |  |  | 3670 | 65 | 35 |  | 33 |
| 97. Scandinavian Union, | 15 | 10 | 33 | 4 | 62 | 86 | 3212 | 5 | 41 | 131 | 3384 | 27 | 8 | 3 | 16 |
| 98. British Union... | 17 | 12 | 18 | 7 | 54 | 57 | 1893 | 10 | 112 | 54 | 2059 |  | 8 | 2 | 14 |
| 99. Latin Union... | 13 | 12 | 16 | 7 | 48 | 27 | 797 | 29 | 277 |  | 1074 | 6 | 1 |  | -33 |
| 100. Siberian Union Mission. | 7 | 3 | 9 |  | 19 | 54 | 1014 |  |  |  | 1014 | 3 | 2 |  | 7 |
| 101. Levant \% Missions..... | 5 | 5 | ${ }^{2}$ | 4 | 16 | 4 | 112 | 18 | 164 | 21 |  |  | 2 |  | -2 |
| 102. General Con. Missions. <br> 103. Gen. Con. European Office. | 9 2 | 10 | 19 | 3 | $\stackrel{42}{5}$ | 6 | 164 | 5 |  | 2 | 206 | 12 |  |  | 31 |
| Grand Totals, 1st quarter 1912. | 165 | 136 | 263 | 49 | 613 | 499 | 17972 | 422 | 7065 | 440 | 25477 | 856 | 150 | 5 | 529 |
| Grand Totals, 1st quarter 1911. | 142 | 114 | 243 | 44 | 543 | 485 | 17140 | 339 | 4954 | 18 | 2272 | 731 | 146 | 5 | 327 |
| Grand Totals, 1st quarter 1910. | 137 | 93 | 231 | 41 | 502 | 484 | 16110 | 250 | 3520 | 240 | 19869 | 567 | 126 | 5 | 243 |

" ONLY a lot of figures," someone may complain, on glancing over the first four pages of this paper-"dry, uninteresting figures." Let us look a little closer into these "dry" figures, and we will soon find that they all have a wonderful message to proclaim, a message of how the Lord's Spirit is working on hearts, and how His Word, sharper than a two-
edged sword, is piercing into the very darkest lands, bringing souls the glorious news of a soon-coming Saviour. For instance, what do the figures in the first column of the grand totals show? that we now have 165 ordained ministers spending their whole time in preaching the Gospel, whereas this time last year we had only 142 , and in 1910 ,

|  |  |  |  |  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \dot{9} \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \\ & 0 \end{aligned}$ |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 66. 67. | 400982 | 802 | 2634 | 2634 |  |  |  | 53 |  |  | 1 | 29 | 29 |
| 68. | 21400 | 343 | 20813 | 20813 | 11598 | 1045 | 1961 | 156 | 4 | 1081 44 | 22 | 545 | 430 |
| 69. | 37969 | 201 | 43:40 | 4340 | 3619 | 194 |  | 43 | 2 | 18895 | 19 | 173 | 138 |
| 70. | 80.6 | 351 | 998 | 9198 | 2\|28 |  |  | 158 |  |  | 3 | 32 | 29 |
| 71. | 1155 | 1.60 | 831 | 831 | 97 |  |  | 13 |  |  | 3 | 60 | 41 |
| 72. | 369 | 166 | 1852 | 1352 |  |  |  | 61 |  |  | 2 | 30 119 | ${ }^{24}$ |
| 73. | 1270 | 134 | 3591 | 3591 |  | 594 |  | 38 | 9 | 171238 | 7 | 119 | 108 |
|  | 32809 | 305 | 34559 | 34559 | 15542 | 1833 | 6407 | 54 | 15 | 293272 | 57 | 988 | 799 |
| 74. | 121 | 45 | 2270 | 2270 | 462 | 20 |  | 10 |  |  | 14 | 359 | 300 |
| 76. | 888 | 37 | 1416 | 14116 | 346 | 132 |  | 108 | 4 | 15508 | 12 | 297 | 250 |
| 77. | 22208 | 529 | 20449 | 20.49 | 672 |  |  | 65 | 1 | 2637 | 4 | 70 | 50 |
| 78. | 2182 | 62 | 3142 | 3142 | 440 | 758 |  | 112 | 4 | 121.92 | 18 | 476 | 450 |
| 79. | 663 | 60 | 1875 | 1875 | 235 |  |  | 20 |  |  | 6 | 146 | 120 |
|  | 7166 | '71 | 10752 | 10752 | 2155 | 905 |  | 13 | 9 | 30337 | 54 | 1348 | 1170 |
| 80. | 201 | 1.44 | 198 | 98 |  |  |  |  | 1 | 706 |  | 12 | 10 |
| 82. | 548 | 165 | 637 | $6{ }^{37}$ | 92 | 1156 |  | 22 |  |  | 9 | 80 | 70 |
| 88. | 28. | 311 | 637 | 637 | 1145 | 1383 |  | 240 | 1 | 1191 | 2 | 7 | 7 |
| 84. | 1665 | 88 | 1781 | 1781 | 1,83 | 50,08 |  | 37 | 1.2 | 11742 | 11 | 175 | 160 |
|  | 2695 | 91 | 31.58 | 3153 | 420 | 8209 |  | 40 | 14 | 13639 | 25 | 274 | 247 |
| $\begin{aligned} & 85 . \\ & 86 . \end{aligned}$ | 209 | 1047 | 558 | 5.58 |  |  |  | 279 |  |  |  |  |  |
| 87. | 99 | 377 | 1504 | 1504 | 774 | 1402 |  | 127 | 2 | 2901 |  | 29 | 25 |
| 88. | 46 | 285 | 97 | 97 |  |  |  | 05 |  |  | 1 | 20 | 16 |
| 89. | 627 | 369 | 179 | 179 | 263 |  |  | 26 | 2 | 24.47 | 4 | 19 | 17 |
| 90. | 25.1 | 419 | 285 | 285 | 298 |  |  | 97 |  |  | 1 | 6 | 12 |
| 91. | 258 | 107 | 1416 | 1416 |  | $4 \mid 81$ |  | 120 |  |  | 1 | 8 | 8 |
| 92. | 7219 | . 82 | 4.01 | 401 | 314 | 66150 |  | 83 |  |  | 1 | 10 | 10 |
| 93. | 93 | 518 | 1093 | 10.93 | 1396 | 5128 |  | $4{ }^{23}$ |  |  | 1 | 1.3 | 13 |
|  | 4465 | 216 | 5533 | 55.38 | 30.74 | 13661 |  | 108 | 4 | 58348 | 12 | 105 | 101 |

RECAPITULATION.

137. Let us go a little farther; in the fourth column we see 613 . That means that 613 devoted men and women are now working from morning till night, day after day, to carry our precious truth to a dying world, whereas in 1910 there were only 502. Have we not cause to thank the Lord that the number of the reapers is increasing? Can
any true Adventist's heart fail to rejoice when he sees that the total membership for the first quarter of 1912 has risen to 25,477 , or nearly 6,000 more souls are keeping Sabbath now than at this time in 1910 in the European Division alone? So let us study these "dry, uninteresting figures," and thank the Lord for the progress reported.

# REPORT OF THE EUROPEAN DIVISION OF THE GENERAL CONFERENCE. 

## First Quarter, 1912.

COMMENCING with the first quarter of 1912, the report of the Earopean Division of the General Conference is to be issued in booklet form. It will contain each quarter, besides the statistics of the field, miscellaneous reports from the union presidents, notes concerning the progress of the work in the mission fields, extracts from letters written by our missionaries, and perhaps an illustration now and then. We trust that our union presidents and missionaries in foreign fields will give this matter their heartiest support by contributing regularly and promptly. Manuscript should be forwarded to Grindelberg 15a, Hamburg, as soon after the close of the quarter as possible. In order to help defray the expenses of printing and forwarding this report, a slight charge will be made. It will be forwarded post free on annual payment of the sum of 25 cts.; Mk. 1.-; $1 /-$; 50 Cop.; 90 ore; 1.25 Frs.; 75 Heller. All subscriptions should be forwarded to Miss A. Küssner, Grindelberg 15a, Hamburg. Kindly write name and address distinctly.

## East German Union.

The East German Union is now composed of seventeen divisions-eight conferences, eight mission fields, and one union district. At the end of the first quarter 1912 it has a membership of 6,786 . The gain in the first quarter was 383 by baptism and 56 by vote, in all 389 . At the beginning of the year we gave over to the West German Union, Spalato, Dalmatia, with 4 members, and the Middle German Conference with 757 members, and received Magdeburg and the two Mecklenburgs
with a membership of 156 , leaving us with a membership of 6,575 , January 1 , 1912. We thus have a net gain of 211 members for the first quarter.

The preliminary audit shows for the first quarter a deficit of $\$ 5,030$ in the accounts of the eight mission fields and some of the newer and smaller conferences, whereas the Union and Union District has a surplus of $\$ 6,150$, making a net gain of $\$ 1,120$, without taking the surplus of the conferences into account, which flows into the treasury at the end of the year. We feel very thankful to the Lord that we thus close the quarter with a surplus, as we have fifty-four workers to support in our mission fields.

In an especial manner has the Lord made His presence manifest in Bulgaria and Rumania. Bulgaria has been worked for many years with but poor success, but we made a good start this quarter, and the present situation gives us great hopes for the future.

In Ploesti, Rumania, we had much trouble, the police often disturbing our meetings. Our worker there went to the highest city official to complain of this. The official said to him: "The priests come every day and tell us so many different stories about you, that we don't know what to think about your work. Why do you preach in such a small place so far out of the city? Come into the centre and open up a hall there, and I will also come and listen." Of course we followed his advice at once, and have had no trouble from the police since.

For years we have been looking for a suitable hall in Bucharest large enough to accommodate the many people who
wish to attend our meetings, but we could not find anything. A friend who came into our lectures built secretly a nice hall and handed it over to us for two years, free of charge. Now we work in that city in two different halls in the Rumanian language, and in a third hall in the German tongue. The Lord is crowning our three efforts with success.

We are of good courage, and wait upon the Lord, praying for more souls in the new quarter.
H. F. Schuberth.

## West German Union.

We are very glad to report that the Lord has blessed the work in the West German Union in a special manner during the first quarter of 1912. This has been the best quarter in the West German Union since it was organized. In the first quarter of 1911 the total tithe was $\$ 19,210$, and in the first quarter of 1912 the total tithe amounted to $\$ 25,144$. This means a gain of $\$ 5,984$. The reason why the tithe of the first quarter of 1912 is much higher than it was the first quarter of the previous year is that the East German Union gave 760 members to the West German Union by releasing the Middle German Conference and the Dalmatian Mission to the West German Union. On the other hand, the East German Union received Magdeburg and the two Mecklenburgs, with a membership of 156 , from the West German Union. By giving 156 members to the East German Union, we thus really received but 604 members from that Union. These 604 members paid a quarterly tithe of $\$ 2,500$. This would still leave a gain for the West German Union, without the Midde German Conference, of $\$ 3,430$ over the first quarter of 1911.

The quarterly report shows that during the first quarter of 1912409 new members were added by vote and baptism. At the end of 1911 our membership in the West German Union numbered 6,134; at present we have a membership of 6,987 . We received from other fields 44 by letter, 604 we received by the Middle German Conference, making the total number received 648. We lost 21 through death, 104 by apostasy, 51 by removal to other fields, 25 were dropped from our record-books, and we gave 156 to the East German Union, making a total loss of 336 members. This leaves us a net gain for the first quarter of 1912 of 312 members, for which we are very grateful to the Lord.

We have at present in the West German Union, outside of the Union district, nine organized conferences and five organized missions. Two new conferences and two new missions were organized last winter. The Latin Union released the Canton of Tessin to the German Swiss Conference:

The Lord is blessing the Austrian Mission in a special manner. Last summer we started work in the city of Triest, situated near the Adriatic Sea. This city has about 180,000 inhabitants, of which most are Italians and Slavonians. Brother G. Werner, a licensed minister, was sent there to open up the work, and he writes me as follows: "Near the close of last September we began by the grace of God a series of lectures, and even though the attendance was very poor at first, we continued our meetings for three weeks until the president of the Theosophists ofiered me their hall for meetings. From that time on we had a large attendance, and also the Jesuits showed a good interest, even inviting me to visit them in the monastery. After
considering the matter, I went to visit them. We had an earnest conversation about the present truth. The superior made some candid confessions and said to me: 'You are on the right way, keep on studying and receive all the light that God is willing to give you.' I promised him that I would do this and said that I hoped he would also.
"The Lord has also helped wonderfully in the city of Goerz. About the middle of January I began with public meetings, but after I had held six lectures I had to change the hall. This proved to be a blessing, for the attendance increased steadily; but that did not please the archbishop at all. He therefore told the hall-keeper that if he did not turn us out of the hall, he would forbid all priests to come to his hotel in the future. And, of course, as the priests are his best customers and he was not willing to lose them, he broke the contract he had made with me. A few souls have already taken hold of the truth, and others will soon follow."

The Lord is opening the way for us everywhere. Brother Wolfgarten told me that they will soon be able to organize six new companies in his field.
J. G. Oblander.

## Russian Union.

It was our privilege to have the entire committee, as well as Brethren Conradi and Schuberth, with us at our annual auditing and committee meeting. Many important questions were considered. 1911 was the best year Russia has ever seen. Although the workers were treated quite liberally, we were able this year to cover all expenses and salaries without any appropriations from the General Conference. We also paid half the wage of the Russian teacher in Friedensau, as well as re-
membering the students who are working for us, and yet were able to add $\$ 1,351.70$ to our capital account. 784 members were added during 1911. The Lord be praised for His love to us poor mortals.

The Russian Union presents another picture beginning with January 1, 1912. Last year we had but seven organizations, whereas we now have twelve. This division entailed several changes in workers, but they were all accepted unanimously.

In the first quarter of 1912 we were enabled to take in one hundred members, and the tithe was somewhat higher than in the same period of 1911.

The work must be accomplished under great difficulties. Some of our ministers are under police surveillance. One of them has been sentenced to two months' imprisonment, and another has been deprived of his rights.' But all this does not discourage the workers.

The Message is making especially good headway in Trans-Caucasia. The Molokans are looking for more light. Brother Osol has been able to open several new places. At first there were many hindrances, but these have been overcome by the help of the Lord.

Our people have built a nice chapel in Libau, Courland, which was occupied this quarter. On February 3rd we also dedicated a chapel in Pernau, Esthonia. We hope these buildings will be a blessing to the work.

The outlook for the further development of the work was never better than at present. We have more labourers and smaller fields to work.
J. T. Boettcher.

## Scandinavian Union.

Our missionary labourers are busy at work in their respective fields. Thefinal results of their efforts will be shown
some time in the second quarter, for we seldom baptize before the second quarter. We have had a series of very blessed annual meetings in our Union, and quite important changes have been carried into effect, which I believe will result in a more rapid advancement of the work in Scandinavia than ever before. I also believe that, on the whole, the present year will be considerably better than that of 1911 . But, as already indicated, of the first quarter there is but very little to say more than that all our workers have been actively engaged in the field, and that the attendance at their meetings in general has been good. The canvassing work is going on very nicely. We have had.a good school, and the sanitarium here has been more or less filled with patients. So looking at matters generally, we have reason to be of good courage, and we go onward in faith in the Lord, fally convinced that His cause will triumph also in our field. J. C. Raft.


## British Union.

The Lord has been manifesting His willingness to bless us in this field in a special manner since the beginning of 1912. A good number of well-attended public efforts have been conducted in the Union. In the Union District alone more than eighty souls have begun the observance of the Sabbath. Good reports come to us from the other divisions of the field. It appears that the harvest of souls for the first half of 1912 will be large as compared with any other half year. The workers all seem full of courage. They are looking forward to their summer's tent efforts with enthusiasm and determination ${ }^{\text {s }}$ to reap the largest possible results. As the outcome of efforts conducted recently, baptismal services are now tak-
ing place in the different parts of the Union. This increase of membership will be reported for the second quarter. It is the well-established belief of all our workers and churches throughout the field that the year 1912 will prove a record year for the winning of souls in the United Kingdom of Great Britain and Ireland. To this end $w \in$ are all praying and working.

W. J. Fitzgerald.

## Siberian Union.

THE work in the Siberian Uuion is also on the move. Reports are constantly coming in that, in spite of difficulties too numerous to mention, the Lord is blessing the efforts pat forth in that field. While this report is in preparation, Brethren Conradi and Dail are on their way to the committee meeting of the workers in this field, having left Hamburg May 28th. They will spend a. week in counsel with the brethren there, and then go on to Persia, where they will also form plans with the two brethren there for the development of the work in that field.

## Levant Union.

Central Turkish Mission. - The outlook for the future in the Turkish Mission is also very bright. The report shows a net gain of thirty-five members over the first quarter of last year. From March 22nd-28th Elders L. R. Conradi and Guy Dail met with the workers and committee of the Levant Union Mission. From without Elders Baharian, Buzugherian, and Greaves, also Brethren Ayvazian, Scior, and Sister Loxandra were in attendance. Brethren Frauchiger, Voigt, Girou, Pampaian, and the other workers in Constantinople itself were also present. The first three days the councils
were held in Constantinople, in connection with public meetings. On the 25th all these brethren and quite a number of the students took a steamer for Bardizag, Nicomedia, where we have several Armenian charches. Even the hours spent on the water were used by the committee for counsel. The meetings in Bardizag were well attended, and a blessing to our people there. On March 27th Brother Ayvazian, who has been doing Gospel work tor the last eight years, was ordained to the ministry. A new mission field was organized by separating the southern portion of the Turkish Mission, and calling it the Cilician Mission. There are eighty-five Sabbath-keepers in it, and Elder Buzugherian was chosen as superintendent.

Elder Frauchiger writes of the work in Constantinople as follows: "The work in this field demands a good deal of pains, work, and patience. It often seems as though it hardly pays. The Lord does not allow us to get proud here. We have to keep the scripture, 'He that shall endure unto the end, the same shall be saved,' continually before us." And in a later letter he writes of one of our brethren who had to serve as a soldier in the Turkish army as follows: "It may interest you to learn that our first soldier, who had the courage to enter the army and not to flee, as many others have done, has stood firm until to-day. It was rather difficult for me to convince him to stand firm to the army and to the truth. I was able to speak with his captain, and to get him interested in our cause. His battalion was ordered to the front, to Maidos, against the Italians. He is in the wireless telegraphy department, and has now been freed. Although he had Sabbath free in the barracks, it was doubtful whether he would obtain it while in active service. I received a
letter from him a few days ago, in which he informed me that he had been ordered to work on Sabbath, but had remained firm. His captain, with whom I am acquainted, was liberal with him, and freed him from all service on Sabbath. He requested me to write his captain, asking whether he could not have a furlough to visit the conference. We now have two brethren in the army who are keeping Sabbath. May the Lord help them in His mercy!"

The brother mentioned above was able to attend the conference, we learn, which was held in Bardizag.

Grecian Mission.-We quote from a letter from Brother Greaves: "We enjoyed visiting Brother and Sister Scior at Salonika, and it was my privilege to baptize the new brother there. He is a Bulgarian, and seems an honest soul. Brother Scior is of good courage and working hard. He is sowing plenty of seed, and I feel sure the Lord will water it and give fruit in His own good time." This is our first member in Salonika. In another letter from Janina, where he is labouring, Brother Greaves writes: "Our meetings are just closing, and as the Sabbath question has been presented, much opposition has been aroused. We leave the results with God. We have tried to sow the seed, and believe it has not been in vain. The people here seem harder to reach than the heathen-but our God is powerful and strong, and our hope is in His grace and strength."

## General Conference Missions.

${ }^{\text {a }}$ Egyptian Mission. - Good news has also arrived from this difficult field. Brother Keough reports: "Last Sabbath we were rejoiced to have
our first Sabbath-keeper with us for the Sabbath lesson. The young man of whom I wrote you before as likely to step out has begun, and has gladdened our hearts very much. He also paid some tithe when the Sabbath was over and asked about baptism. You may be sure that we hardly knew how to thank God that He had at last led some to serve Him fully. On Monday I had a good letter from another young Egyptian, who said that he had read the Bible very much and was convinced of the Sabbath. He is one whom I met in Cairo at the end of December, and after some talk with him brought him to the house where he has been going every Sabbath since. I kept writing to him. I hope he too may soon take his stand. It is a delight to see people take hold to serve their Lord. May this be the firstfruit of a good harvest!" The first part of the year Elder Dail visited the workers in the Egyptian and Syrian fields, and reports signs of progress. He found the work ers all of good courage, and we trust that this year may mark a forward move in these difficult Mohammedan fields.

Abyssinian Mission.-From a letter from Brother Grundset we quote the following: "I learnt from a personal interview with a teacher of the Swedish Mission here in Asmara, that two of their leading men have just returned from a trip across the border, where they have been visiting. They have received permission to sell their literature and the Bible across the border, and they have already sent three camelloads of Bibles and Protestant literature over to Abyssinia to be sold. Not long ago two mules loaded with Galla literature left Asmara, where the publishing house is located, for Galla land." This report shows that other missions are
beginning to make headway in Abyssinia by sending literature into that country, and we sincerely hope that the time will soon come when we can also make a start there. We learn that several of the Protestant missionaries who were arrested in Abyssinia are now at work again. Protestant believers, however, are still rather hard pressed, and many have had to flee to the woods and mountains south-east of the Blue Nile.

Pare Mission.-Although the report for the first quarter shows eleven baptized, this is not really the case. The eleven were baptized in the fourth quarter of 1911 , but were omitted, by mistake, from the annual report of 1911. We therefore report them in the first quarter of 1912. The latest news from Brother Kotz tells us that Sister Drangmeister had been very ill, and they had nearly given up hopes of her recovering: but the Lord answered prayers, and she is now regaining her health and strength. From a letter from Brother M. Kunze we quote the following: "At our last quarterly meeting we decided to let the native Christians bring their tithe in fruit and grain. This proposition was accepted with joy. Last Sabbath, therefore, we had a harvest thanksgiving service in our Mamba church. It was very touching to behold the offerings that were gathered in at our morning worship, and tears of joy flowed from. my eyes. Men and women brought in their heavy burdens, although it was Sabbath. Two of our Christians had hung their load on the branch of a tree, and thus carried their offering to God's. altar. These gifts were then nicely arranged around the platform, and the chapel was prettily decorated with flowers and twigs, so that the whole made a very good impression. Many expressed the intention of enlarging:
their ground, so that they could cultivate more, in order to be able to bring more tithe next time. The gifts of the Christians here are of course necessarily small on account of the poverty that

prevails. Most of our members are dependent upon the harvest for their maintenance the whole year round." Our brethren and sisters in Africa certainly set us a good example in donating, and we can see how the Word of God works on the hearts of even the heathen.

Viotoria Nyanza MissIon. - On March 14th

Brethren B. Schurich and F. Bornath (and wife) left Hamburg for the Victoria Nyanza Mission. Brother R.Munzig, who had spent the last few weeks visiting his relatives, met the ship at Naples. We have word already from Brother Ohme that these workers $h$ ad arrived safely. With this enlarged force of workers we trust the work in this field will be greatly helped. In spite of the unhealthy climate there, and various other difficulties, the work is onward, and Brother Ohme reports that
wenty-five heathen are now being instructed in preparation for baptism. Sister Ohme bas also been rery ill, and we trust our people will especially remember these workers in their prayers. On page 12 we give an illustration of our chapel in Majita, one of our stations in the Victoria Nyanza Mission. It was dedicated on December 2, 1911. Brother Carscallen and the president of the Quaker Mission, who wanted to get acquainted with us, were present at the dedication service. After the meeting Brother Ohme had the privilege and pleasure of baptizing the first two converts to our truth in the Victoria Nyanza Mission. He writes us that the baptismal service, which was conducted in the new baptistry in the chapel, made a deep impression on those present. Filipo Kayanda is the first convert of the 150,000 heathen who live in the district of Usukuma, and are waiting to hear the last warning message. The other convert, Johana Mtarimbo, is the first of the 200,000 in the Shirati district. In the afternoon the Lord's Supper was celebrated with the new converts in the chapel.

British East African Mission.Brother Carscallen writes very encouragingly of the work in this field. A letter received from him reads as follows: "We are all getting on quite well here, and are trying our best to keep things together until we get some help. We have more than we can do, but we never had a better school, and we never had our boys more satisfied and contented. Twelve boys and three girls came and gave their names to me yesterday and asked for baptism. I will not accept them all unless they can give better reasons for taking the step than I now know of. However, most of them will be baptized as soon as the new workers arrive. They wanted to
be baptized earlier, but I have asked them to wait, thinking that the new workers would appreciate our waiting. for them, as we would not have another baptism for some time. I just have all I can do to keep up with things. Boys are coming from all directions and wanting to learn. They do not come as they used to, simply to work for money; but come mainly to learn. I have cut all our boys off wages, and am now only paying them on the piece-work plan. I could not manage eighty boys and make them all earn their money in any other way. I have told them they must make their own money by planting cotton and rice. We have a nice field of rice planted, and I am to have half of it for the mission, as it is on mission land. The cotton will belong to the boys this year, as I could not possibly look after it. I just let them go and plant as much as they like and it will be theirs." We will also soon have our own dhow on the VictoriaNyanza, which will belong to the British East African Mission. It is now in process of construction. Our boat belonging to the Victoria Nyanza Mission is doing us good service. On April 19th Brethren F. Spearing (and wife) and L. Lane left Southampton for British East Africa, and prospects are also brightening, so that we soon hope to have more stations and more converts in this needy field.

THE first quarter of 1912 has been a. fairly good one in the European Division. As will be noticed, many changes have been made. Several new organizations appear in the two German Unions. The Russian Union has also more fields, and the Scandinavian Union hopes to be able to better accomplish the work there now that there is a Union District, and the Swedish and Norwegian fields have
been divided. The Latin Union turned over the Algerian Mission to the management of the European Division of the General Conference, and we hope this change will help the Latin Union to also cope with the great needs in its Catholic territories. The General Conference Committee of the European Division met at Skodsborg, April 25 th29 th, and the needs of the division were considered, as well as many other importantitems of business. All members were present, except Brother Sisley, who was prevented from attending by pressing work in England. If we study the statistics for the first quarter a little closer, we will see that our net gain for the entire field has been 529 .

We baptized 856 souls and 150 were added by vote. Our membership has risen to 25,477 , or 3,202 more than this time last year. We are indeed grateful to God for His many mercies and the wonderful way in which He helps the work in the European Division, in spite of the many adverse circumstances.

Our finances increase steadily every quarter, and we are aiming hard at the ten cents a week for missions per member in offerings. This quarter we average five cents a week, so we have quite a task before us. For the first time since the European Division was organized all the Sabbath-school offerings have been donated to missions. We are indeed glad for this, and are sure that the Lord will bless the efforts made to increase the gifts for our needy mission fields. Our tithe has also risen to $\$ 73,920.61$, or $\$ 12,000$ more than the first quarter of 1911 . We see that the average tithe per member for the quarter is $\$ 2.90$. This is good, but it might be better, and we trust that by the end of the year this average will have risen. The Lord will certainly bless us in abundance, as He has promised, it we
pay a faithful tithe. Our canvassing work is going ahead. The German Unions alone sold $\$ 12,495$ worth of books and papers more this quarter than in the corresponding quarter of last year. The total gain in book sales over the first quarter of 1911 for the whole division is $\$ 14,326$. May the Lord bless the seed thus sown, and prepare the hearts of the people for God's servants, that the few labourers in the great harvest field may the more quickly gather the sheaves into the storehouse of God!

## Notice!

THe annual report of all the SeventhDay Adventist missions in the world, including the European Division, is in type in the German. It is well illustrated, and contains forty-eight pages. (Obtainable from International Tract Society, Grindelberg 15a, Hamburg.) The question has come up whether it would not be well to have the same in English, and why would it not be profitable to publish it in the French, Swedish, Danish, and other conference or union papers? We nould be glad to hear about it. Elder Fitzgerald has already called for it in English.
L. R. Conradit.

Brethren W. Seiler and H. Palm are at present in Hamburg, taking a course in the Colonial Institute, preparatory to sailing for German East Atrica this fall. Brother E. B. Phillips is also taking'a similar course at the Livingstone College in London, and expects to leave for British East Africa this year.

Brethren Conradi and Dail expect to arrive in Germany from their trip to Eastern Europe and Persia about July 1 st.

A Note from Brother Keough runs as follows: "We are well. We had $113^{\circ}$ Fahr. in the shade a few days ago. We had baptism last Sabbath, when a young man was baptized."

Brother OHME's report of the mission schools in his field shows that we now have 420 pupils learning to read and write, and as soon as possible receiving instruction in the points of our truth. There are also ten coloured aative assistant teachers.

As this is going to press, we just receive news from Elder Conradi reporting excellent meetings with the Siberian Union Committee. Unfortunately, Elder Böttcher, who also met with the Committee, was unable to remain till the close of the meeting, on account of his having received a telegram announcing the fact that our Tract Society in Riga, as well as seven similar religious societies, had been dissolved. Brother Böttcher therefore left for Riga at once. Our people are requested to pray that the Loxd may provide new means for our literature to be circulated in this enormous field.

Brother Lorntz writes an interesting account of his experiences at an Abyssinian wedding: "Last week I was invited to a wedding, where the bridegroom was only fifteen years old, and the bride still younger. She was kept closely veiled for five days after the marriage, and then they saw each other for the first time. War-dances
are performed and shots are fired, and they feast until late in the night-this. latter is the chief part of the performance. I also took part in it, but instead of being able to be merry and laugh, I had to cry-for the pepper sauce was too strong. We must not hold too strictly to our old principles if we wish to get acquainted with the people, for they think a great deal of a person's eating with them. It is good that such things do not happen every day."

ANOTHER letter has just been received from Brother Frauchiger, written by him on the Dardanells while on his way home from a visit in the Grecian Mission, from which the following is quoted: "Am just on my way home, and am glad to be able to say that the Lord's gracious hand has been over us. The journey was dangerous from Prevesa to Janina. Since the revolution it is not very safe to ride in the Epirian Alps; there is not much traffic on the country roads, on account of the many robberies and murders which occur there. It is safest to travel shortly after an attack has been made, for then the way is clearer, and soldiers patrol the roads. As Brother Greaves and I rode to Vostina, we came across a horse on the road which had been shot but a short time before. The mail coaches have been plundered by the robbers, so that the Government must guard the roads with soldiers. We also experienced two heavy earthquakes. A hard thunderstorm brought us the necessary rain to baptize one of our Greek friends in the mountains."


[^0]:    *See note "East German Union," page 6. tSee note "West German Union," page 7.

